मंगलवार
30 अप्रैल 2024

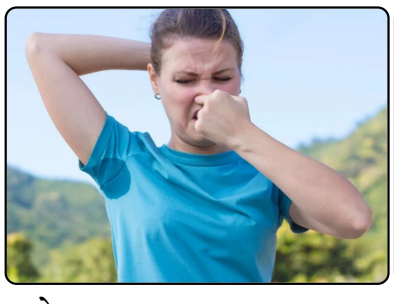

पृष्ठ 4
घरेलू उपाय को कर पा सकते हैं पसीने..

पृष्ठ 5
मिनी स्कर्ट में सरगुन मेहता की स्माइल..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 91
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

यदि असंतोष की भावना को लगन व धैर्य से रचनात्मक शक्ति में न बदला जाए तो वह खतरनाक भी हो सकती है।
– इंदिरा गांधी

दूनवैलीमेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हाई स्कूल, इंटर का रिजल्ट घोषितः इस बार भी बालिकाओं ने बाजी मारी

❑हाई स्कूल में प्रियांशी रावत व इंटर में पीयूष व कंचन ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया

संवाददाता

देहरादून। हाई स्कूल व इंटर का रिजल्ट घोषित होने के बाद इस बार भी बालिकाओं ने बाजी मारते हाईस्कूल में बालिकाओं ने पाये 92.54 प्रतिशत अंक व इंटर में 85.96 प्रतिशत अंक पाये। हाईस्कूल में प्रियांशी रावत व इंटर में पीयूष खोलिया व कंचन जोशी ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी।

आज यहां उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर जनपद नैनीताल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा-2024 में 112377 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें से 100179 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। हाईस्कूल कर कुल परीक्षाफल 89.14 प्रतिशत रहा जिसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 85.56 तथा बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.56 प्रतिशत रहा। संस्थागत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.56 प्रतिशत व व्यक्तिगत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 58.80 रहा। प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में जेबीएस जीआईसी गंगोलीहाट पिथौरागढ की छात्रा प्रियांशी रावत ने हाईस्कूल परीक्षा में 500 में से 500 कुल 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं रूद्रप्रयाग के छात्र शिवम मलेथा ने हाईस्कूल परीक्षा में 500 में से 498 कुल 99.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही एसवीएम आईसी श्रीकोट गंगोली पौडी गढवाल के आयुष ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सम्मान सहित उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 10594 तथा प्रतिशत 9.42 रहा है। द्वितीय श्रेणी मे परीक्षार्थियों की संख्या 39.43 प्रतिशत रहा है तथा तृतीय स्थान में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 12.58 प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल परीक्षा में बागेश्वर कुल 95.42 प्रतिशत परीक्षाफल के साथ प्रथत स्थान पर रहा।

इंटरमीडिएट परीक्षा-2024 में 92020 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें से 76039 परीक्षार्थी घोषित हुए। जिसमें से बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 78.97 तथा बालिकाओं का 85.96 प्रतिशत रहा। संस्थागत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 83.76 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 54.14 रहा। प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में विवेकानन्द आईसी रानीधारा रोड अल्मोडा के छात्र पीयुष खोलिया एवं एचजीएस आईसी कुसुमखेडा हल्द्वानी नैनीताल की छात्रा कंचन जोशी ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 500 में से 488 कुल 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

महिला की हत्या का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने खच्चर चलाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर व खून सने आरोपी के कपड़े बरामद किये गये है। हत्या की यह वारदात जंगल में महिला को अकेले देखकर उसके साथ जबरदस्ती करने व महिला द्वारा विरोध जताने के चलते अंजाम दी गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीती 25 अप्रैल की रात थाना गुप्तकाशी पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम देवर के जंगल में एक महिला अचेत अवस्था में पड़ी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर देखा कि महिला के सिर, गर्दन व चेहरे पर गहरे जख्म के खून से सने निशान थे। महिला की शिनाख्त सन्दीप चौहान द्वारा अपनी पत्नी नीलम के रूप में की गयी और बताया गया कि उनकी पत्नी जंगल में चारा पत्ती के लिए गयी थी

और देर रात्रि तक वापस नहीं पहुंची थी। इस पर गांव वाले उसकी तलाश में आये थे। प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण किसी जंगली जानवर के हमले किये जाने की आशंका प्रतीत होने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मृत्यू सिर में गहरी चोट आने के कारण बताया गया।

बहरहाल पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि एक व्यक्ति जिसका नाम महावीर है, तथा वह देवर गांव के ही एक व्यक्ति के पास खच्चर चलाने का काम ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कार खाई में गिरी, चार घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। प्रतापनगर विधानसभा के अंतर्गत लंबगांव के पास एक हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार लंबगांव से हेरवाल गांव जा रही कार हादसे का शिकार हो गई। कार में चार लोग सवार बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी लोग लंबगांव से हेरवाल गांव जा रहे थे, तभी गांव के समीप कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि एक कार सवार को हल्की चोटें आई हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने 108 की मदद से घायलों को लंमगांव हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां तीन गंभीर घायलों को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। जबकि जगदीश पुत्र घिन्नूलाल को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। जबकि तीन अन्य घायलों के नाम कृष्ण पुत्री विजय लाल उम्र 18 वर्ष, सुमन पुत्र गेंदु लाल उम्र 35 वर्ष, शूरवीर पुत्र गोपाल उम्र 38 वर्ष (चालक) सभी कार सवार कोरदीप्टी रौणद रामोली थाना लंमगांव जनपद टिहरी गढ़वाल के रहने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ः सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 7 माओवादी ढेर

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मंगलवार को दो महिलाओं सहित सात माओवादी मारे गए। मुठभेड़ स्थल से एके-47 राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए हैं।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि मुठभेड़ सुबह करीब छह बजे अभुजमाड़ जंगल के टेकमेटा और काकुर गांवों के बीच जंगल में हुई। विशेष सूचना के बाद सोमवार रात जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। जैसे ही वे कांकुर गांव पहुंचे, गोलीबारी

शुरू हो गई। गोलीबारी रुकने के बाद मौके से दो महिलाओं समेत सात माओवादियों के शव बरामद किए गए।

मौके से एक एके-47 राइफल और अन्य हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा भी जब्त किया गया। इस घटना के साथ, राज्य के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 88 नक्सली मारे गए हैं, जिसमें नारायणपुर और कांकेर सहित सात जिले शामिल हैं। आईजी ने कहा, हमने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और माओवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि सभी सुरक्षाकर्मी सुरक्षित हैं और मुठभेड़ अभी भी जारी है। यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में 29 माओवादियों के मारे जाने के कुछ दिनों बाद शुरू हुआ है। इनमें वरिष्ठ माओवादी नेता शंकर राव और ललिता मेरावी भी शामिल थे, जिनके सिर पर 8 लाख रुपये का इनाम था।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या यही है अमृत काल?

आजादी का यह कैसा अमृत काल है जहां देश के नेताओं द्वारा संविधान और लोकतंत्र का खुल्लम-खुल्ला चीर हरण किया जा रहा है। भले ही इस देश के लोगों ने आपातकाल जैसी स्थितियों को देखा हो लेकिन लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्थाओं की जिस तरह से वर्तमान दौर में धज्जियां देश के नेता और राजनीतिक दल उड़ा रहे हैं शायद वैसा इससे पूर्व कभी नहीं देखा गया है। आज देश के नेता सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी करने और किसी भी हद तक जाने के लिए जिस तरह से आमादा दिख रहे हैं वह स्थितियां वाकई डराने वाली है। अभी हमने चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में सत्ता के चीर हरण की जो एक प्रत्यक्ष घटना देखी थी वह कितनी गंभीर थी उसका अंदाजा आप सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से लगा सकते हैं जिसमें उस घटना को लोकतंत्र की हत्या करार दिया गया था। इस क्रम में अगर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इलेक्टोरल बांड की बात की जाए तो सुप्रीम कोर्ट उसे असंवैधानिक बताकर इस कानून या व्यवस्था को रद्द कर चुका है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि सरकार ने अपनी शक्तियों और अधिकारों का इस्तेमाल गलत कानून बनाने के लिए किया गया इस गलत कानून के जरिए गलत और असंवैधानिक तरीके से सत्ताधारी पार्टी ने 8 से 9000 करोड़ की कमाई की। वह भी देश की ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का गलत तरीके से इस्तेमाल करके। अभी इसका पूरा सच सही मायने में सामने नहीं आया है वरना इसे देश के इतिहास में सबसे बड़ा आर्थिक घोटाला जरूर बताया जा रहा है। अभी हाल ही में हुई अगर उन दो घटनाओं पर गौर किया जाए जो गुजरात के सूरत और मध्य प्रदेश के इंदौर में सामने आई है जहां कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन वापसी के अंतिम दिन अपना नाम वापस लेते हैं और भाजपा की गोद में जाकर बैठते हैं। सूरत में बिना चुनाव लड़े ही भाजपा प्रत्याशी को सांसद बनने का मौका मिल जाता है। क्या यह संवैधानिक व्यवस्था है। जिसमें कोई राजनीतिक दल देश की जनता से लोकतंत्र और संविधान प्रदत्त सबसे महत्वपूर्ण वोट के अधिकार को ही छीन ले। संविधान और लोकतंत्र के साथ इससे बड़ा मजाक भला और क्या हो सकता है जहां नागरिकों को वोट देने का अधिकार न हो उसे भला कौन लोकतंत्र कह सकता है। नेताओं की खरीद फरोख्त व डरा धमका कर चुनी हुई सरकारों को गिराने और सत्ता हड़पने का खेल तो देश में बहुत पहले से चल रहा था अब मतदान का अधिकार छीन कर संसद तक पहुंचने का जो तरीका देश के नेताओं व राजनीतिक दलों ने तलाश कर लिया है वह लोकतंत्र पर सीधा कुठाराघात है। इसी कड़ी में अब जरा बात सांसद व नेताओं के चरित्र की भी कर ली जाए। एचडी देवगौड़ा देश के पूर्व प्रधान मंत्री और उनका पौत्र प्रज्वल रेवन्ना जो कर्नाटक के हासन से एनडीए के प्रत्याशी हैं। एक पेन ड्राइव के जरिए उनके सैकड़ो सेक्स स्कैंडल का सामने आना और उनका विदेश भाग जाना सरकार की बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ के नारे की कलई खोलने के लिए काफी है। किस लोकतंत्र और संविधान तथा अमृत काल की बात करते हैं हम। जिसका सच इतना घिनौना और शर्मसार करने वाला हो उस पर सिर्फ देश के नेता ही गर्व कर सकते हैं।

3 मई से आयोजित होगा 'दून योग महोत्सव'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दून योग पीठ देहरादून द्वारा नवम दून योग महोत्सव का आयोजन देवभूमि उत्तराखंड को वैलनेस का एक बड़ा हब बनाने और उत्तराखण्ड के गांवों को योग और आयुर्वेद ग्रामों के रूप में विकसित करने के शुभ संकल्प के साथ आगामी 3 मई से 5 मई तक बी एस नेगी महिला पॉलिटेक्निक ओएनजीसी राजेंद्रनगर कोलागढ़ रोड में किया जाएगा ।

दून योग पीठ के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने बताया दून योग महोत्सव का रंगारंग शुभारम्भ शुक्रवार 3 मई प्रात: 10 बजे होगा, योग पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, साथ ही विश्व शांति के लिए योग की भूमिका, विकसित भारत और भारत को विश्व गुरु बनाने में योग की भूमिकाष आदि विषयों पर सेमिनार भी अयोजित होंगे, प्रात: काल में नि:शुल्क योग शिविर के साथ साथ नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श भी विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा, 6 साल के बच्चों से लेकर 80 साल तक के वृद्ध भी योग आसनों का प्रदर्शन करेंगे, दून के अलावा बाहर से भी योग साधक दून योग महोत्सव में भाग लेंगे, योग महोत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं रक्खा गया है, बी एस नेगी महिला पॉलिटेक्निक ओ एन जी सी का पूरा सहयोग आयोजन को मिल रहा है।

अग्ने बृहन्नुषसामूर्ध्वो अस्थान्निर्जगन्वान्तमसो ज्योतिषागात्।
अग्निर्भानुना रुशता स्वङ्ग आ जातो विश्वा सद्मान्यप्रा:।।
(ऋग्वेद १०-१-१)

पूर्व के क्षितिज से भोर में उषा की पहली किरण अंधकार को समाप्त करने लगती है। सूर्य का प्रचंड प्रकाश संसार में उजाला कर देता है। उसी प्रकार प्रात:काल हमें भी उठकर व्यायाम, योग, ध्यान, स्वाध्याय आदि करके अपना संपूर्ण विकास करना चाहिए। (ऋग्वेद १०-१-१)

निरीक्षक मंडल ने किया धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय का निरीक्षण

कार्यालय संवाददता

नरेंद्र नगर। कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की संबद्धता के लिए धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल प्रशासन द्वारा गठित निरीक्षक मंडल ने निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि निरीक्षक मंडल ने सत्र 2019-20 से 2024 25 तक 6 वर्षों के लिए संबंद्धता विस्तार के लिए विभिन्न विषयों के लिए अवस्थापना, एकेडमिक, सैद्धांतिक , प्रायोगिक के साथ मानव संसाधन आदि पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय का निरीक्षण किया।

कला स्नातक के हिंदी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान वाणिज्य संकाय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक पर्यटन एवं पत्रकारिता विषयों का निरीक्षण पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश की प्रोफेसर कंचन लता शर्मा डीन कॉमर्स की संयोजकत्व में संपन्न हुआ। निरीक्षक मंडल के सदस्यों में प्रोफेसर कल्पना पंत,प्रोफेसर हेमलता मिश्रा, प्रोफेसर महेश उनियाल, प्रोफेसर राकेश चंद्र रयाल, प्रोफेसर छाया चतुर्वेदी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विदित हो की कला संकाय की भांति बीएससी स्नातक के भौतिकी, रसायन, गणित, जंतु विज्ञान की संबद्धता 6 वर्षों की विस्तारण के लिए निरीक्षण किया गया, वही बीएससी गृह विज्ञान की संबद्धता 2020-21 से 2024 25 एवं बा तथा बचा की संबंधता सत्र 2023 24 एवं 24 25 तक विस्तारण के लिए दूसरे निरीक्षक मंडल द्वारा निरीक्षण किया गया। पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर ऋषिकेश के डीन साइंस प्रोफेसर जी के ढींगरा के संयोजकत्व में गठित इस पैनल के सदस्यों में प्रोफेसर वी पी बहुगुणा, प्रोफेसर वी के गुप्ता, डॉ नवीन महाजन ,प्रोफेसर प्रीति कुमारी के अलावा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, नरेंद्र नगर वृत्त प्रमुख तौर पर शामिल रहे।

निरीक्षक मंडल के निरीक्षण के दौरान कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान सतत रूप से बने रहे । निरीक्षण कार्य में समस्त प्राध्यापकों,कर्मचारियों के अलावा डॉ संजय महर ,डॉ हिमांशु जोशी ,डॉ विजय प्रकाश ,डॉ सोनी डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल, डॉ राजपाल रावत, डॉ नताशा, डॉ बी पी पोखरियाल,विशाल त्यागी प्रमुख भूमिका में रहे।

संजय चोपडा 'सेवा रत्न' से सम्मानित

संवाददाता

हरिद्वार। उत्कृष्ट कार्य करने पर अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता कल्याण विचार संस्था ने संजय चोपडा को सेवा रत्न से सम्मानित किया।

आज यहां उत्तराखंड राज्य सहित देश दुनिया में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को नई पहचान दिलाने के लिए 25 वर्षों से संघर्ष कर रहे लघु व्यापार संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा को उनके द्वारा सामाजिक रूप से आम उपभोक्ताओं व जन समस्याओं को लेकर किए गए उत्कृष्ट कार्यो पर अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता कल्याण विचार संस्था द्वारा उपभोक्ता प्रशंसित पदक सेवारत्न प्रदान किए जाने पर सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नेता संजय चोपड़ा का पुष्प गुच्छ के साथ अंग वस्त्र पटका ओढ़ाकर अभिनंदन व स्वागत किया। इस अवसर पर लघु व्यापार संगठन के अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स और आम उपभोक्ताओं के समन्वयक स्थापित करने के लिए रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को और जागरूक किया जाएगा। व्यापारी नेता संजय चोपड़ा सेवा रत्न पदक दिए जाने से उत्साहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में धर्मशाला रक्षा समिति के सभापति चंद्र प्रकाश शर्मा, मोहित गर्ग, किशन अरोड़ा, अजय कुमार कश्यप, विशाल सिंह, जीप यूनियन के धर्मपाल सिंह, हेमंत कुमार, संजय बंसल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

डेंगू और चिकनगुनिया को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया अर्लट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य में डेंगू व चिकनगुनिया के मरीजों को देखते हुए उनकी रोकथाम व उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को गाइडलाइन जारी की है। जिलाधिकारियों व सीएमओ को 20 बीस महत्वपूर्ण बिंदुओं की गाइडलाइंस जारी की गई है।

सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार लगातार डेंगू व चिकनगुनिया रोकथाम के लिए लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सुझाव पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू व चिकनगुनिया मरीजों के उपचार व रोकथाम के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा विगत वर्षों से डेंगू व चिकनगुनिया रोग राज्य में एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में परिलक्षित हो रहा है। डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग का वेक्टर एडिज मच्छर है। जुलाई से नवम्बर माह तक का समय डेंगू वायरस के संक्रमण के लिये अनुकूल होता है। डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग एक मच्छर जनित रोग है जो कि कूलर, फूलदान, गमले, खुली पानी की टंकी, पुराने टायर, एकत्रित कबाड, इत्यादि में जमा पानी में पैदा होते हैं। डेंगू रोग के रोकथाम के लिए जन सहभागिता अत्यन्त आवश्यक है। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग की समुचित रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु अन्य समस्त विभागों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। समस्त विभागों द्वारा डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां समयान्तर्गत की जायें। डेंगू मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए की जाने वाली समस्त गतिविधियां समस्त विभाग निरन्तर करते रहें ताकि डेंगू के मच्छर को पनपने से रोका जा सकें और इसकी सूचना जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरन्तर प्राप्त की जाए। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग पर रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु ब्लाक वार माइक्रो प्लान बनाकर कार्यवाहिया करना सुनिश्चित करे व उक्त माइक्रोप्लान राज्य एन०वी०बी०डी०सी०पी० यूनिट को प्रेषित किये जायें। नगर निगमों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जाये ताकि डेंगू रोग के मच्छरों को पनपने से रोका जा सके।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग की समुचित रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु अन्य समस्त विभागों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। समस्त विभागों द्वारा डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां समयान्तर्गत की जायें।

सेहत में बड़ा सहारा, पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों को भी स्वास्थ्य बीमा

मनोज भूटानी

गंभीर और ऐसी बीमारियों, जिनके इलाज में भारी रकम खर्च करनी पड़ती है, स्वास्थ्य बीमा लोगों के लिए बहुत बड़ा सहारा साबित होता है। स्वास्थ्य बीमा शुरू करने का मकसद भी यही था कि लोगों को स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की चिंता से मुक्त रखा जा सके। मगर इसमें एक बड़ी अड़चन थी कि पैंसठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग स्वास्थ्य बीमा नहीं खरीद सकते थे। आमतौर पर ज्यादातर लोगों को इसी उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां घेरती हैं।

मगर स्वास्थ्य बीमा न खरीद पाने के चलते वे निराश हो जाते थे। फिर, कैंसर, हृदय रोग या एड्स जैसी कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को इसकी सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा खरीदने के बाद अड़तालीस महीने तक उसका लाभ नहीं उठाया जा सकता था। अब भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने इन अड़चनों को दूर करते हुए नियम जारी किया है कि पैंसठ वर्ष से अधिक आयु के लोग भी स्वास्थ्य बीमा खरीद सकेंगे। यानी अब किसी भी उम्र में स्वास्थ्य बीमा खरीदा जा सकता है।

बीमा कंपनियां अब कैंसर, एड्स और हृदय रोग जैसी बीमारियों की वजह से किसी को बीमा देने से इनकार नहीं कर सकतीं। बीमा खरीदने के छत्तीस महीने बाद उसका लाभ उठाया जा सकेगा। बीमा क्षेत्र को विस्तार देने और प्रतिस्पर्धी बनाने के मकसद से इस क्षेत्र में निजी बैंकों और विदेशी कंपनियों के लिए सौ फीसद निवेश का रास्ता खोला गया था। फिर बीमा कंपनी बदलने की भी छूट दे दी गई थी। निस्संदेह इससे बीमा कंपनियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी और लोगों को इसका लाभ मिलना भी शुरू हो गया। मगर स्वास्थ्य बीमा के मामले में कई तरह की अड़चनें बनी हुई थीं। उम्र और कुछ गंभीर बीमारियां इस रास्ते में बड़ी बाधा थीं। अब उनके हट जाने से निस्संदेह बहुत सारे लोगों के लिए आसानी हो जाएगी। अब जिस तरह जलवायु परिवर्तन और बदलती स्थितियों के चलते अनेक प्रकार की नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं और बहुत सारे लोगों के लिए इलाज कराना मुश्किल होता जा रहा है, उसमें बीमा कंपनियों का वृद्धावस्था की ओर बढ़ती आबादी को इस सुविधा से वंचित रखना उचित नहीं था। दुनिया के अनेक देशों में वृद्धों की सेहत पर विशेष ध्यान दिया जाता है, मगर जिस तरह हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ और उनमें सुविधाओं का अभाव बढ़ता गया है, उसमें बुजुर्ग आबादी की सेहत का ध्यान रखना चुनौती बनता गया है।

ऐसे में स्वास्थ्य बीमा की शर्तों को लचीला बनाने से कुछ बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। मगर अब भी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को पुख्ता, पारदर्शी और प्रभावशाली बनाने की जरूरत रेखांकित की जाती रहती है। केंद्र सरकार ने आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध करा रखी है। कुछ लोग कंपनियों आदि की सामूहिक बीमा के अंतर्गत आते हैं। कुछ लोगों ने निजी स्तर पर स्वास्थ्य बीमा ले रखा है। मगर चूंकि स्वास्थ्य बीमा की सुविधा का लाभ निजी अस्पतालों में ही लिया जाता है, वहां इनके दावे आदि को लेकर कई तरह की अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रहती हैं। कोरोना काल के बाद स्वास्थ्य बीमा की वार्षिक किस्तें पचास फीसद से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसलिए स्वास्थ्य बीमा नियमों को लचीला बनाने के साथ-साथ इन्हें व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में भी भरोसेमंद कदम उठाने की जरूरत है।

पुष्पा 2: द रुल के पहले गाने पुष्पा पुष्पा का धमाकेदार प्रोमो आउट

आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2ः द रूल से लिरिकल प्रोमो रिलीज हो गया है। ये पहला टीजर होगा जहां पुष्पा 2 के ट्रैक की धुन सुनने को मिली है। मेकर्स ने शानदार टीजर और डायनामिक पोस्टर के साथ दर्शकों का दिन बना दिया है। इतना ही नहीं, पहले गाने की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। चलिए आपको भी दिखाते हैं ट्रेक का लिरिकल प्रोमो।

अल्लू अर्जुन की फिल्म के पहले सिंगल का नाम पुष्पा पुष्पा है। जैसा कि टाइटल से पता चलता है, यह गाना एक आकर्षक फुट-टैपिंग गाना होने का वादा करता है जो अल्लू अर्जुन के किरदार पुष्पा राज को बयां करने में बेस्ट साबित होगा।इ स गाने को देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है। सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने कैप्शन दिया, स पुष्पा 2 फर्स्टसिंगल पुष्पा पुष्पा 1 मई को 11ः07 बजे होगा रिलीज। इसका मतलब ये कि पुष्पा 2 से पहला गाना 1 मई को रिलीज होगा। तब फिल्म से तगड़े विजुअल्स भी देखने को मिल सकते हैं।

फिल्म की बात करें तो इस महीने की शुरुआत में 8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर निर्माताओं ने पुष्पा 2ः द रूल की एक झलक दिखाई थी। जहां अल्लू अर्जुन के आकर्षक लुक ने लोगों को एक बार हैरान कर दिया था। फिर मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का लुक भी रिलीज किया था। पुष्पा 2 द रूल 15 अगस्त, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। जिसे एक बार फिर सुकुमार ने निर्देशित किया है। साथ ही माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

स्तन कैंसर में असरदार होती है ब्रोकली

ब्रोकली में पाया जाने वाला यौगिक स्तन कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि मंद करने में मददगार हो सकता है। खासकर प्रारंभिक चरणों में यह अधिक असरदार होता है। एक नए शोध से यह बात सामने आई है। यह शोध पत्रिका 'कैंसर प्रीवेंशन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है।

अमेरिका की ऑरेगन स्टेट युनिवर्सिटी (ओएसयू) और ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने एक अध्ययन में सुझाव दिया कि ब्रोकली (एक प्रकार की गोभी) और क्रूसीफेरस सब्जियां (उसके परिवार से संबंधित वनस्पतियां) से प्राप्त होने वाले सल्फोराफेन (यौगिक) में लंबे समय तक कैंसर की रोकथाम वाले सबूत मिले हैं। इसलिए सल्फोराफेन कैंसर वृद्धि को कम करने में मददगार हो सकता है।

यह पहला औषधीय अध्ययन का निष्कर्ष है कि जिसमें स्तन कैंसर का इलाज करा रही महिला के स्तन ऊतकों पर सल्फोराफेन के प्रभाव को देखा गया।

इस शोध में ऐसी 54 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनकी मैमोग्राफी जांच में कुछ असाधारण तत्व मिले थे। इन्हें प्लेसबो परीक्षण के अंतर्गत सल्फोराफेन का सेवन करने के लिए दिया गया। ओएसयू कॉलेज ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड ह्यूमन साइंसेज की प्रोफेसर एमिली हो ने बताया, ''अध्ययन के बाद महिलाओं की जांच में हम यह देखकर चकित हो गए कि इस यौगिक के द्वारा उन असाधारण चिन्हों में कमी आई थी।

इसका तात्पर्य है कि यह यौगिक कैंसर वृद्धि को मंद कर सकते हैं।'' पहले हुए अध्ययनों में भी बताया गया है कि क्रूसीफेरस सब्जियां जैसे ब्रोकली, गोभी या फूलगोभी का उच्च सेवन स्तन कैंसर के खतरे को कम करता है।

शादी एक खूबसूरत मिलन, लेकिन बड़ी जिम्मेदारी है : मीरा

टीवी शो कुछ रीत जगत की ऐसी है में नंदिनी की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस मीरा देओस्थले ने मैरिज इंस्टिट्यूशन पर अपनी राय पेश की। उन्होंने कहा कि यह खूबसूरत मिलन के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि शादी एक खूबसूरत मिलन है और एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। एक नए परिवार में आते ही एक महिला का जीवन बदल जाता है। मेरे किरदार नंदिनी के लिए, रतन्शी परिवार का हिस्सा होने का उत्साह बहुत अधिक है, लेकिन इसके पीछे असहज तनाव छिपा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, नरेन के पिता हेमराज एक चेतावनी देते हैं, और रौनक की छिपी हुई हरकतें भ्रम को बढ़ा देती हैं। नंदिनी ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज उठाई है, और अब उसे लगता है कि वह अपने नए परिवार के भीतर छिपी जटिलताओं को उजागर करने की कगार पर है। कुछ रीत जगत की ऐसी है सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर सोमवार से शुक्रवार प्रसारित होता है।

तापसी और रकुल की शादी मेरे लिए काफी भावुक पल था : लक्ष्मी मांचू

एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने खुलासा किया है कि उनकी खास दोस्त तापसी पन्नू और रकुल प्रीत सिंह की शादियों के दौरान उनकी भूमिका सबसे अच्छी थी। तापसी ने 23 मार्च को उदयपुर में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादी की, जबकि रकुल ने 21 फरवरी को गोवा में एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लिए। लक्ष्मी ने बताया कि उन्होंने अपनी दोस्त तापसी और रकुल की शादी में दुल्हन की सहेली की भूमिका निभाई थी।

उन्होंने कहा, मेरे पास दुल्हन की सहेली की बड़ी जिम्मेदारी थी। रकुल को सेट पर रहना ज्यादा पसंद था। रकुल चाहती थी कि हर कोई समय पर आए, समय पर वहां पहुंचे और समय से तैयार रहे। मुझे लगता है कि वह इसको लेकर काफी गंभीर थी। इसके बाद 46 वर्षीय एक्ट्रेस ने तापसी की शादी के बारे में बात करते हुए इसे कूल बताया। तापसी बिल्कुल ऐसी है, शांत। जब तुम्हें वहां आना हो तो आ जाओ। इसलिए उन दोनों के साथ यह बिल्कुल अलग था। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी शादियों को देखना उनके लिए इमोशनल मोमेंट था। लक्ष्मी ने कहा, उन दोनों की शादी मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, क्योंकि हमारी दोस्ती 10 सालों से भी ज्यादा समय की है। उन्हें न केवल अपने करियर के साथ, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ के साथ भी पूरी तरह से जुड़ते हुए देखना, मेरा लिए बेहद खास था। मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

घर पर बनाये ग्रीन चिली सॉस

जिन लोगों को सॉस खाने का शौक होता है उन्हें खासतौर पर ग्रीन चिली सॉस काफी पसंद होता है। ग्रीन चिली सॉस को आप समोसे, कचौड़ी, पूडी या पराठे आदि के साथ खा सकते हैं, यह काफी टेस्क्टी लगती है। अगर आप इसे घर पर बनाएंगे तो इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। घर पर बनाए गए ग्रीन चिली सॉस में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता और स्वास्थ के लिये भी अच्छा माना जाता है। अब आइये जानते हैं कि ग्रीन चिली सॉस कैसे बनाया जाता है।

कितने- 1 किलो पकाने में

समय- 1 घंटा 30 मिनट, सामग्री- 1 किलो हरी मिर्च- धुली और कटी हुई 2 कप सफेद सिरका (450 द्वद्य) 250 ग्राम नमक 2 चमच्च तेल 1 चम्मच सोडियम बेंजोएट- 2 चमच्च उबले पानी में भिगोया

हुआ।

विधि - एक बड़े से कटोरे में नमक और सिरका मिलाएं। फिर उसमें हरी मिर्च डाल कर लगभग 1 घंटे तक डुबो कर रखें, जिससे वह अच्छे प्रकार से मैरीनेट हो जाए। अब इसी मिश्रण को तेज आंच पर उबालें और हल्का सा गाढा होने दें। अब इसे आंच से उतारें और इसमें सोडियम बेंजोएट मिक्स करें। फिर इसे साफ एयर टाइट जार में भर कर रखें और प्रयोग करें।

जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने की आशंका

सुभाष गुप्ता

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है।

यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा।

अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है।

25,000 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को क्लीन चिट, कभी पीएम मोदी ने बताया था भ्रष्ट परिवार

खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति शृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं।

इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है।

एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है।

बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा।

बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक को वैकल्पिक व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घरेलू उपाय को कर पा सकते हैं पसीने की बदबू से निजात

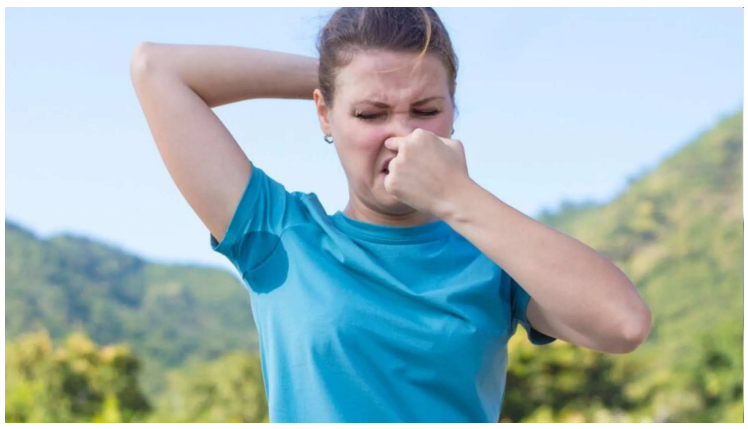

गर्मी के दिनों में पसीना आना आम बात है। लेकिन पसीना बदबू फैलाने लगे, तब यह शर्मिंदगी का कारण बन जाता है। ऐसे में कई लोग बाहर जाने से कतराते हैं। लेकिन रोजाना ऑफिस जाने वाले लोगों के लिए यह एक चिंता का विषय होता है। चाहे कितना भी परफ्यूम लगा लें। लेकिन उसके बाद भी पसीने की बदबू आपके पास से आती है, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताएंगे, जिन्हें कर आप पसीने की बदबू से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं घरेलू उपाय के बारे में।

करें यह घरेलू उपाय

पसीने की बदबू से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय आप कर सकते हैं, जैसे आप नींबू के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसके लिए आपको नहाने के पानी में नींबू के रस को डालना होगा। ये एंटीसेप्टिक है, जो बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है और पसीने की गंध को कम करता है। इसके अलावा आप अंडरआर्म्स पर नींबू के टुकड़े को रगड़ सकते हैं।

टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल

इसके अलावा नहाने के पानी में आप एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं या इसका स्प्रे बनाकर अंडरआर्म्स पर स्प्रे करें। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो पसीने की बदबू से छुटकारा दिलाता है। टी ट्री ऑयल पसीने की बदबू से छुटकारा दिलाने में काफी मदद करता है। आप नहाने के पानी में इसकी कुछ बूंदे डाल सकते हैं या अपने अंडरआर्म्स पर इससे मसाज कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

ये पसीने की गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने में मदद करता है। इन सब के अलावा आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। जैसे रोजाना नहाने की आदत डालें, अंडरआर्म्स, पैरों और प्यूबिक एरिया जैसी जगह पर शेव करें। गर्मी के दिनों में एक कपड़े को दो बार रिपीट ना करें, खासकर मोजे और अंडरआर्म्स।

आपको अपनी जीवनशैली में बदलाव करना चाहिए, जैसे ढीले कपड़े पहने, स्वस्थ आहार खाएं, पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें किसी भी उत्पाद का इस्तेमाल करने पर कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है, ऐसा होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।(आरएनएस)

ऑफिस में हर वक्त रहता है तनाव, तो इस तरह प्लान करें वर्कप्लेस मैनेजमेंट, 4 आसान तरीके आएंगे काम

ऑफिस में काम करना या अपने काम को मैनेज करना एक टफ टास्क होता है, जिससे अमूमन कामकाजी लोगों को स्ट्रेस हो जाता है। लेकिन यकीन मानिए कि अगर आप ये 4 तरीके आजमाएंगे तो आपको कभी भी स्ट्रेस नहीं होगा।

ऑफिस में काम करना या अपने काम को मैनेज करना एक टफ टास्क होता है, जिससे अमूमन कामकाजी लोगों को स्ट्रेस हो जाता है। लेकिन यकीन मानिए कि अगर आप ये 4 तरीके आजमाएंगे तो आपको कभी भी स्ट्रेस नहीं होगा।

अक्सर जो लोग वर्किंग होते हैं वह डिप्रेशन, तनाव या एंजाइटी जैसी कई मेंटल प्रॉब्लम से जूझते हैं, जिसका सबसे बड़ा कारण यह होता है कि वह अपने काम को प्रभावी ढंग से मैनेज नहीं कर पाते है और इसके चलते समय पर काम पूरा नहीं हो पाता है। इसी कारण काम का प्रेशर इतना ज्यादा होता है कि ये आगे जाकर डिप्रेशन का रूप ले लेता है और इससे आपकी मेंटल और फिजिकली दोनों हेल्थ प्रभावित होती है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप अपने ऑफिस के तनाव को इन चार तरीके से आसानी से कम कर सकते हैं। जब भी आप घर से ऑफिस जाते हैं, तो अपने काम का रिव्यू खुद करें। 10 मिनट खुद के लिए निकाले और खुद के प्रश्नों का उत्तर दें कि क्या आप अच्छा काम कर रहे हैं? आपकी रणनीति क्या है?(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

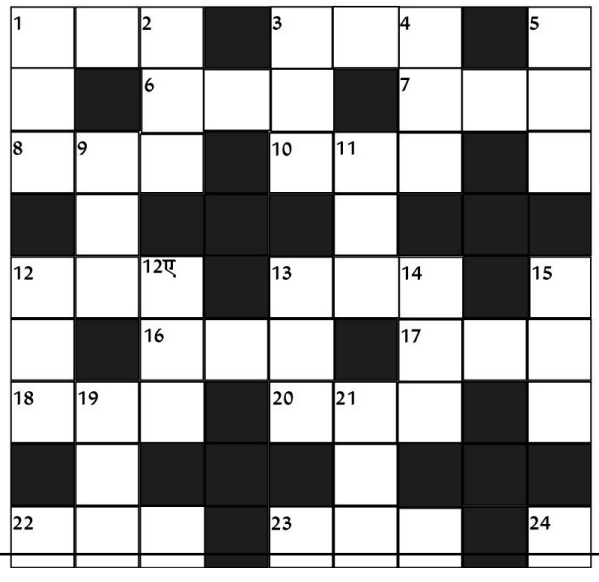

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो इन दिनो की 29 नवंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक!

अनुराग बासु पिछले लंबे समय से अपनी मल्टीस्टारर फिल्म मेट्रो इन दिनों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर स्टारर इस फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर से बदल दी गई है। तो आइए जानते हैं कि अब कब रिलीज होगी फिल्म।।।

मालूम हो कि मेकर्स ने कई दफा मेट्रो इन दिनों की रिलीज डेट को आगे शिफ्ट किया है। वहीं अब एक बार फिर इसकी रिलीज डेट में बदलाव हुआ है। निर्माताओं ने नई रिलीज डेट का ऐलान किया है। प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि मेट्रो।।।इन दिनों को एक नई रिलीज डेट मिल गई है। दिल को छू लेने वाली कहानियों वाली ये फिल्म अब अब 29 नवंबर, 2०24 को रिलीज होगी।

बता दें कि अनुराग की इस मच अवेटेड फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। वहीं अनुराग भी अपनी इस नई कहानी को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। भूषण कुमार के प्रोडक्शन में बनी इस मूवी फिल्म में बिल्कुल नई कास्टिंग देखने को मिलेगी।

वहीं पहली बार होगा जब सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर एक साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। ऐसे में फैंस इस फ्रेश जोड़ी को देखने के लिए काफी एक्साइडेड हैं।

बता दें कि इसका पहला पार्ट साल 2००7 में रिलीज हुआ था, जो सुपरहिट साबित हुआ था। फिल्म की कहानी के साथ साथ दर्शकों को फिल्म के गाने भी खूब पसंद आए थे। वहीं सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में एक्ट्रेस वेब सीरीज मर्डर मुबारक में नजर आईं थी। इसके अलावा सारा की हालिया रिलीज फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में भी नजर आईं थीं।(आरएनएस)

ईशा गुप्ता ने स्टायलिश आउटफिट में कराया बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड की बोल्ड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस के दिलों में कैसे राज करना है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बोल्डनेस की सारी हदें पार करते हुए बेहद सेक्सी तस्वीरें शेयर की हैं। ईशा गुप्ता ने पिस्ता कलर का डीप नेक स्टायलिश आउटफिट पहना है। न्यूड मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं। साथ ही हार्ट शेप का नेकलेस उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स का पसीना छूटना लाजमी है। फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछर कर रहे हैं। ईशा आखिरी बार प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 में नजर आई थीं, जिसमें उनका बेहद बोल्ड अवतार देखने को मिला था। फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इतजार कर रहे हैं।

दीपक तिजोरी की निर्देशित फिल्म टिप्सी का फर्स्ट लुक हुआ आउट

अभिनेता दीपक तिजोरी की अगली निर्देशित फिल्म टिप्सी का फर्स्ट लुक मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। यह फिल्म 1० मई 2०24 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में दीपक तिजोरी के साथ अलांकृता सहई, नताशा सूरी, कविता अरोड़ा, नाजिया हुसैन और सोनिया बिर्जे प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। टिप्सी का निर्देशन दीपक तिजोरी ने किया है और फिल्म का निर्माण राजू चढ्डा और दीपक तिजोरी द्वारा किया गया है। फिल्म को पैनोरमा स्टूडियो देशभर में रिलीज करेगा। फर्स्ट लुक में सभी कलाकार समुद्र के बीच में एन्जॉय करते नजर आए हैं साथ ही बैकग्राउंड में सभी किरदारों की आवाजें आ रही थी, जिसे जानकर लग रहा है कि यह एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म होगी।

टिप्सी के पहले लुक ने पहले ही दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है, जो दीपक तिजोरी द्वारा बनाई गई दुनिया की एक झलक पेश करता है। पोस्टर एक जीवंत और रंगीन सौंदर्य को दर्शाता है, जो एक ऐसी फिल्म की ओर इशारा करता है जो हास्य, नाटक और मनोरंजन को समान मात्रा में मिश्रित करती है।

टिप्सी के साथ निर्देशन में दीपक तिजोरी की वापसी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो सभी उम्र के दर्शकों के लिए आकर्षक और प्रासंगिक कहानियां गढने़ की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करता है। अभिनय और निर्देशन दोनों में अपने काम के लिए जाने जाने वाले, तिजोरी फिल्म निर्माण में एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य लाते हैं, अपनी परियोजनाओं को यथार्थवाद और गहराई की भावना से भर देते हैं।

टिप्सी के साथ, दीपक तिजोरी का लक्ष्य एक सिनेमाई अनुभव प्रदान करना है जो भावनात्मक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ता है, एक ऐसी कहानी पेश करता है जो न केवल मनोरंजक है बल्कि विचारोत्तेजक भी है। 1० मई, 2०24 को फिल्म की रिलीज निश्चित रूप से तिजोरी और उनके प्रशंसकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगी, जो उनकी निर्देशन यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।(आरएनएस)

मिनी स्कर्ट में सरगुन मेहता की स्माइल ने जीता दिल

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली सिंगर-एक्ट्रेस सरगुन मेहता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत फोटो-वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सरगुन मेहता ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं, जिनको बेहद पसंद किया जा रहा है। चलिए एक नजर डालते हैं उनरे शानदार और प्यारे लुक पर।

साल 2००9 में टीवी शो 12/24 करोल बाग से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सरगुन मेहता सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं और उनका लुक फैंस को बेहद प्यारा लग रहा है। सरगुन मेहता ने अपने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की है उनमें एक्ट्रेस ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। फोटोज में एक्ट्रेस ब्लैक क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक शॉर्क स्कर्ट कैरी किए नजर आ रही हैं, जिस पर मल्टी कलर डिजाइन बना हुआ है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। साथ ही उनके इस पोस्ट पर काफी सारे लाइक्स भी नजर आ रहे हैं।

साथ ही शेयर की गई फोटोज में सरगुन खुले बालों में नजर आ रही हैं, जो हवा में लहरा रहे हैं। एक्ट्रेस लाइट मेकअप कैरी किए नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर एक प्यारी सी स्माइल नजर आ रही है। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस की क्यूटनेट और स्माइल फैंस का दिल जीत रही है। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने इन फोटो के साथ एक प्यारा सा कैप्शन भी शेयर किया है।

इन सभी प्यारी सी तस्वीरों को शेयर करते हुए सरगुन ने एक अच्छा सा कैप्शव भी शेयर किया है, जिसमें वो लिखती हैं, उसके बारे में भूल जाओ मुझ पर ध्यान केंद्रित करो। एक्ट्रेस के इस पोस्ट को बेहद पसंद किया जा रहा है। साथ ही इस पर काफी सारे लाइक्स और कमेंट्स भी आ रहे हैं और फैंस जमकर एक्ट्रेस की तारीफें कर रहे हैं।

वहीं, अगर सरगुन मेहता के वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2००9 में अपने टीवी शो 12/24 करोल बाग के बाद एक्ट्रेस कलर्स टीवी के फेमस शो फुलवा में नजर आई, जहां से एक्ट्रेस को पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्म अंग्रेज से भी अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद एक्ट्रेस कई हिंदी और पंजाबी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और नजर आ रही हैं।(आरएनएस)

धनुष ने रिलीज किया अपनी अपकमिंग फिल्म कुबेर का पोस्टर

तमिल सुपरस्टार धनुष ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपनी आनेवाली फिल्म 'कुबेर' का पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में अभिनेता को अस्त-व्यस्त और बिखरे हुए बाल वाले लुक में देखा जा सकता है। धनुष को बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ एक दीवार के सामने खड़े होकर कैमरे की ओर देखते हुए दिखाया गया है। दीवार पर धार्मिक चित्र में भगवान शिव को अन्नपूर्णा से भिक्षा प्राप्त करते हुए दिखाया गया है।

पोस्टर में अभिनेता को अस्त-व्यस्त और बिखरे हुए बाल वाले लुक में देखा जा सकता है। धनुष को बढ़ी हुई दाढ़ी के साथ एक दीवार के सामने खड़े होकर कैमरे की ओर देखते हुए दिखाया गया है।

दीवार पर धार्मिक चित्र में भगवान शिव को अन्नपूर्णा से भिक्षा प्राप्त करते हुए दिखाया गया है।

गोदावरी', 'हैप्पी डेज' और 'लव स्टोरी' जैसी तेलुगू फिल्मों के लिए मशहूर 'कुबेर' निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष के बीच यह पहला सहयोग है। फिल्म में धनुष के अलावा नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी भूमिका निभा रहे हैं। 'कुबेर' को तमिल, तेलुगू और हिंदी में एक साथ शूट किया गया है और इसका संगीत 'पुष्पा' फेम देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

देवा के सेट से शाहिद कपूर ने शेयर किया पहला लुक

इश्क विश्क से बालीवुड में कदम रखने वाले शाहिद कपूर को इंडस्ट्री में 21 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होनें कई बेहतरीन किरदारों को परदे पर जीवंत किया। पिछले कुछ सालों में अपनी फिल्मों के चयन के जरिए उन्होनें एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में वह फर्जी वेब सीरीज में दिखे थे। फिलहाल वह एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच शाहिद ने फिल्म के सेट से अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की है। इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं।

शाहिद ने अपनी आगामी फिल्म देवा के सेट से खुद की एक तस्वीर साझा की। इसमें वह चश्मा लगाए कार में बैठे कैमरे से दूर कहीं देखते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होनें लिखा, आज का मूड ! शाहिद इस फिल्म में एक बगावती पुलिस ऑफिसर का किरदार अदा कर रहे हैं, जो जोखिम भरे एक हाई-प्रोफाइल केस की जांच कर रहा है। इसमें शाहिद का किरदार छल और धोखे के जाल से पर्दा हटाते हुए सच की तह तक जाता है।

रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित देवा एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्माण जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स साथ मिल कर रहे हैं। रोशन एंड्रयूज सैल्यूट और कायमकुलम कोचुन्नी जैसी मलयालम फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म अक्तूबर में दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

हाल हीं में शाहिद तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह ने किया। दोनों की यह पहली फिल्म थी। इस फिल्म में शाहिद का किरदार महिला की तरह दिखने वाली रोबोट से प्यार कर बैठता है। इस फिल्म में अनुभवी सितारे धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया भी नजर आए थे।

राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र चुनाव आयोग में पंजीकृत हो

रघु ठाकुर

लोकतांत्रिक देशों में चुनाव के समय घोषणा पत्र जारी करने का चलन रहा है। दरअसल घोषणा पत्र का चलन संबंधित पार्टी के द्वारा आने वाले समय में कौन से काम को हाथ में लेंगे और क्या होना चाहिए इसका एक विवरण या पांच वर्षीय कार्यक्रम जैसा होता है। परंतु पिछले कुछ दशकों से यह अनुभव हो रहा है कि राजनीतिक दल विशेषतरू जो सत्ताधारी या सत्ता के नजदीक हैं, वह घोषणाएं तो बहुत करते हैं परंतु उसके ऊपर अमल नहीं करते हैं। घोषणा पत्रों के स्वरूप भी अब बदल रहे हैं।

1952 से लेकर 1967 तक के दलों के चुनाव घोषणा पत्रों को देखें तो उनमें मुख्यतरू नीति परिवर्तन के संदेश और वायदे ज्यादा होते थे। परंतु अब घोषणा पत्र नीति परिवर्तन के बजाय वोट खरीदने के मंत्र बन रहे हैं। और घोषणा पत्र में मुख्यतरू राहत की बातों की चर्चा ही मुख्य होती है कि अगर सरकार बनती है तो कौन-कौन सी रियायत मतदाताओं को देंगे। मैं रियायतों के खिलाफ नहीं हूं। परंतु रियायतें स्थानी नहीं होनी चाहिए वरना वह लोकतांत्रिक विफलता में बदल सकती हैं। रियायतें एक अस्थाई संक्रमणता व्यवस्था हो जो आमजन को समर्थ बनाने की अवधि के बीच की मदद हो परंतु आमतौर पर दलों का लक्ष्य स्थाई विकलांगता पैदा करना हो गया यानि समर्थ न बनाकर निरंतर कमजोर रखना तथा मदद के नाम पर वोट हासिल करते रहना एक स्थाई रणनीति बन गई है।

इस 2024 के लोकसभा चुनाव का जो घोषणा पत्र कांग्रेस ने जारी किया है उसमें यह कहा है कि गरीब महिलाओं को हर साल 1 लाख रुपए देंगे। भारतीय जनता पार्टी भी इसके पहले चुनाव में लगभग ऐसी ही अन्य घोषणाएं करती रही।

उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 500 रुपए तक के किसानों के कर्ज माफ करने का ऐलान किया था और इस आधार पर उन्हें वोट भी मिला, बाद में छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने भी किसानों के कर्ज माफी का ऐलान किया और उन्हें भी किसानों का समर्थन मिला। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने भी यह वादा किया कि हम हर किसान को साल का रु. 6000 किसान सम्मान निधि देंगे और किसान उनकी ओर कुछ उन्मुख भी हुए।

कुल मिलाकर स्थिति यही है प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से कुछ राहत के नाम पर रुपयों का लालच देकर पार्टियां वोट खरीदती हैं। प्रत्याशियों के द्वारा व्यक्तिगत तौर पर मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाना या कोई सुविधा देना चुनावी कानून की दृष्टि से अपराध है और इस अपराध के लिए उनके चुनाव भी रद्द हो सकते हैं, परंतु राजनीतिक दलों के द्वारा घोषणा पत्र के नाम पर यह थोकबंद खरीद चुनावी अपराध नहीं मानी जाती। सार्वजनिक रूप से ऐलान करके इस प्रकार से मतदाताओं को ललचाते हैं और वोट लेते हैं।

घोषणा पत्र जारी करने की प्रक्रिया में एक और परिवर्तन आया है कि आम तौर पर घोषणा पत्र पार्टियां बगैर किसी सामाजिक और आर्थिक आंकलन के करती हैं। 1952 के बाद लगभग 2-3 दशकों तक पार्टियां जो घोषणा पत्र जारी करती थीं उनके पीछे एक उत्तरदायित्व की भावना तथा वस्तुपरक आंकलन होता था कि वहघोषणा कैसे पूरी कर सकेंगे? जिनके लिए वे जरूरी मानती हैं। क्या देश के आर्थिक हालात इसके लिए समर्थ होंगे। मुख्यतरू उनके चुनाव घोषणा पत्र में नीति निर्माण के ऊपर जोर दिया जाता था। अब पार्टियों के जो घोषणा पत्र जारी हो रहे हैं वह इतने लंबे चैड़े हो रहे हैं कि उन्हें याद रखना जनता को तो दूर पार्टी के नेताओं को भी याद रखना संभव नहीं बचा है। पाँच सौ हजार वायदे और अलग-अलग क्षेत्रों के वायदे वाले इन चुनाव घोषणा पत्रों में सौ-सौ पेज तक होते हैं। इन चुनाव घोषणा पत्र को ना तो पार्टी वाले और ना मतदाता पढ़ते हैं। कोई विशिष्ट मुद्दे पर या किसी विशिष्ट राहत की घोषणा पर देश में चर्चा हो जाती है, परंतु उसका कोई महत्व नहीं होता। अभी जो चुनाव घोषणा पत्र जारी हुए हैं इनमें उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी ने भी कल घोषणा की है कि छोटे किसानों को प्रति माह प्रति किसान रु. 5000 की सहायता दी जाएगी। यह ढाई एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को दी जाएगी। मैं नहीं जानता हूं कि उन्होंने इसका कोई आंकड़ा निकाला है? क्योंकि अगर निकाला होता तो वह उनकी भी संख्या भी जारी करते। इसी प्रकार हर मजदूर को रु. 5000 प्रतिमाह पेंशन देने का वादा किया है। सामान्य मजदूरी वाले मजदूरों की संख्या अनुमानतरू देश में (खेती और गैर खेती वाले मिलाकर) लगभग 30 करोड़ के आसपास होगी। यानी प्रति महीने लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए और साल का 18 लाख करोड़ रुपए अकेले इन मजदूरों की पेंशन पर खर्च होगा। कल्पना करिए कि 30 लाख करोड़ के बजट में से 18 लाख करोड़ रुपए क्या केवल मजदूरों की पेंशन पर दिया जाना संभव होगा? जबकि स्थिति यह है कि देश के बजट का 25 से 30 प्रतिशत केवल वेतन भुगतान पर खर्च होता है व लगभग इतनी ही राशि राशि पेंशन भुगतान पर खर्च होती है। लगभग 20 प्रतिशत कर्ज के भुगतान पर खर्च होता है। तो कहां से मजदूरों को या छोटे किसानों को पेंशन मिलेगी। इसकी कोई गणना किए बगैर केवल एक घोषणा जारी करना यह राजनीति का आम चलन हो गया है। यही स्थिति लगभग सत्ताधारी दल या सत्ता आकांक्षी तथा कथित बड़े दलों की हो गई है कि वह भी मनमानी घोषणाएं कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी तो पार्टी घोषणा पत्र जारी किए बगैर ही पिछले लगातार दो माह से प्रतिदिन हजारों लाखों करोड़ की घोषणा करते रहे हैं। यह पूरी होगी कैसे होंगी, यह कहना संदिग्ध है। हालत यह है कि पार्टियां घोषणा पत्रों के प्रति कितनी जिम्मेदार हैं अगर यह जानना हो तो इसी से जाना जा सकता है कि चुनाव के दो चरण के लगभग पूरा होने के करीब हैं तब जाकर कुछ दलों ने घोषणा पत्र जारी किए हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र भी अभी दो दिन पहले ही आया है जबकि चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुए 20-25 दिन हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र कल आया और भारतीय जनता पार्टी का जो देश की सत्ताधारी पार्टी है, का भी 15 अप्रैल 2024 को जारी हुआ है। कई बार ऐसे अनुभव आए हैं कि कई चरणों के चुनाव पूरा होने के बाद या चुनाव प्रक्रिया लगभग समाप्ति के पहले घोषणा पत्र जारी करते हैं। इन घोषणा पत्रों के पीछे ना कोई ठोस योजना है, ना कोई आधार है, ना कोई आंकलन होता है। दरअसल अगर सच शब्दों में कहा जाए तो राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र आम मतदाता के लिये ठगपत्र माने जाने चाहिए। हम लोगों ने कई बार लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से भारत के चुनाव आयोग से यह मांग की कि पार्टियों के घोषणा पत्र चुनाव के कम से कम से एक माह पहले जारी हों तथा इन घोषणा पत्रों का पंजीयन चुनाव आयोग में हो। इसके लिए पार्टियों से उनके आर्थिक आंकलन और पूर्ति के वचन का शपथ पत्र लिया जाए। यह कार्यक्रम भी समयबद्ध होना चाहिए। अगर कोई पार्टी सरकार में आने के बाद अपने घोषणा पत्र को उक्त समय में पूरा नहीं करती है तो फिर उस पार्टी की मान्यता और पंजीयन को समाप्त करना चाहिए तथा उसके शपथ पत्र देने वाले अध्यक्ष या नेताओं के ऊपर धारा 420 के अपराध का मुकदमा चलना चाहिए।

हिंदुस्तान के सुप्रीम कोर्ट को मैं बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने झूठे विज्ञापन देने के आधार पर बाबा रामदेव और और पातंजलि के मुखिया आचार्य बालकृष्ण के माफीनामा को भी स्वीकार नहीं किया और और स्पष्ट संकेत दिया है कि उन्हें दंडित किया जाएगा। जिस प्रकार बाजार में झूठे विज्ञापन यानी झूठे वादे के आधार पर सामान को बेचना खरीददारों को गुमराह कर उन्हें खरीद को प्रेरित करना अपराध है उसी प्रकार राजनीति में दलों के द्वारा जनता को झूठे वचन देना और मतदाताओं को गुमराह करना भी अपराध माना जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

एक और नई बात अभी सामने आई है कि पिछले कुछ दिनों से जो गठबंधन बन रहे हैं वह राजनीतिक रूप से, विचार के रूप से आमतौर पर बेमेल व केवल कुर्सी परक होते हैं और इसका परिणाम यह हो रहा है कि जो घोषणा पत्र बनते हैं वह आमतौर पर गठबंधनों के नहीं होते, बल्कि दलों के निजी होते हैं। सरकार अगर बनेगी तो गठबंधन बनायेगा और घोषणा पत्र यानी वचन पत्र राजनीतिक दल पृथक से देंगे। जबकि होना यह चाहिए कि जब कोई गठबंधन बनता है तो उनका घोषणा पत्र सामूहिक वचन पत्र होना चाहिए और गठबंधन की संयुक्त जवाबदेही होना चाहिए। गठबंधन के दलों के अलग-अलग घोषणा पत्र जारी करना यह भी लोगों को धोखा देने का प्रयास है। कांग्रेस पार्टी सीएए का विरोध कर रही है और उन्होंने यह भी कहा है कि अगर उनकी सरकार बनेगी तो वह नागरिकता संशोधन अधिनियम को समाप्त करेंगे परंतु उनके गठबंधन के प्रमुख दल डीएमके ने अपना जो घोषणा पत्र जारी किया है उसमें सीएए को स्वीकार किया है और यहां तक कहा है और कि वह श्रीलंका के तमिल लोगों को जो भारत की नागरिकता चाहेंगे उन्हें नागरिकता देंगे। अब यह कितनी विचित्र स्थिति है कि गठबंधन का प्रमुख कहेगा कि हम सीएए समाप्त करेंगे और उसका घटक दल कहेगा कि हम लागू करेंगे। ऐसी ही विचित्र परिस्थिति उत्तर पश्चिम की है जहां पर एनडीए यानी कि भाजपा के सहयोगी दल यह कह रहे हैं कि हम सीएए को नहीं मानते और भाजपा उसे अपनी उपलब्धि मानती है। भाजपा कहती है की गौ हत्या अपराध है और उस पर रोक लगाएंगे और उनके सहयोगी दल यहां तक कि उनके अपने दल के मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैं गोमांस खाता हूं। गौमांस या गौहत्या पर कोई रोक नहीं लगी, कुल मिलाकर राजनैतिक दल भी जनता को गुमराह कर रहे हैं और गठबंधन भी।

देश में बड़ी मात्रा में छोटी पार्टियां भी है जो संघटनात्मक तौर पर या संसद व विधानसभा में भागीदारी के तौर पर बहुत ही कमजोर स्थिति में है या नहीं है। उनकी कमजोरी के कारण पर मैं यहां बहस नहीं करूंगा। इन दलों में भी दो प्रकार के दल हैं। कुछ एक दल निजी कारणों से बनाए गए हैं परंतु कुछ एक दल विचारधारा के आधार पर भी बने हैं। इन छोटे दलों के घोषणा पत्र या तो जारी नहीं हो पाते और अगर हो जाएं तो उनकी चर्चा मीडिया में नहीं हो पाती। क्योंकि इनके पास अपने घोषणा पत्र को मीडिया में लाने के लिए ना तो पर्याप्त आर्थिक ताकत होती है और ना राजनीतिक ताकत होती है। छोटी पार्टियों को या वैचारिक पार्टियों का एक संकट यह भी होता है कि जब कोई दल मुश्किल से 10-20 क्षेत्रों में ही लड़ रहा है तो वह घोषणा पत्र क्या जारी करें। क्योंकि जनता भी उनका या तो मजाक उड़ाती है या उन्हें गंभीरता से नहीं लेती। ये कम सीटों पर लडने वाले ना तो सरकार बनाने का दावा कर सकते हैं ना ही बड़े प्रतिपक्षी दल होने का और इसलिए उनका घोषणा पत्र अचर्चित रहता है। दूसरे उनके प्रसार की क्षमता बहुत कम होती है और आजकल तो प्रिंटिंग प्रेस वाले भी इतने कम संख्या के घोषणा पत्र की छपाई नहीं करते क्योंकि उन्हें वह कोई बहुत लाभप्रद काम नहीं लगता है। बहुत सारे ऐसे भी छोटे दल हैं जो नितांत निजी कारणों से या बड़े राजनीतिक खिलाडियों के छिपे हुए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बनवाए गए हैं। उन्हें घोषणा पत्र की कोई आवश्यकता नहीं होती। मेरा सुझाव है कि भारत का चुनाव आयोग निम्न बाध्यकारी नियम बनाए रू-

1 -हर पार्टी को यह अनिवार्य किया जाए कि वह चुनाव की घोषणा के एक माह पहले अपने घोषणा पत्र और आंकलन पत्र तथा शपथ पत्र चुनाव आयोग में जमा कराएं ताकि चुनाव आयोग भी उनके उत्तरदायित्व का और घोषणाओं का आंकलन कर निर्णय कर उनकी व्याहारिकता का निर्णय कर सके

2 -इन घोषणा पत्रों या वचन पत्रों का पंजीयन चुनाव आयोग में हो।

3 -घोषणा पत्र को मीडिया में प्रकाशित करने का दायित्व चुनाव आयोग वहन करें और प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या यूट्यूब चैनल पर सभी पर बाध्यता हो कि वह चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र को क्रमशरू प्रकाशित करेंगे और देश को दिखाएंगे।

4 - घोषणा पत्रों की प्रति उन चुनाव क्षेत्र में चुनाव आयोग के मशीन के द्वारा वितरित कराई जाए जहां उक्त पार्टी या व्यक्ति चुनाव लड़ रहे हैं।

5 -जो पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने घोषणा पत्र को पूरा ना करें उसकी मान्यता समाप्त हो।

6 - पार्टियों के घोषणा पत्रों का आर्थिक आंकलन और व्यावहारिकता का आंकलन चुनाव आयोग कराए और तदानुसार निर्णय करे।

रीमा सेन की माँ काली का फर्स्ट लुक जारी

पीपल मीडिया फ़ैक्टरी का नया प्रोजेक्ट जिसका नाम माँ काली है। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री वर्तमान में विभिन्न प्रकार की कहानियों को स्क्रीन पर लाकर तेलुगु फिल्म उद्योग में धूम मचा रही है। कंपनी न केवल छोटे पैमाने की फिल्में बना रही है, बल्कि शीर्ष स्तर के नायकों के साथ बड़े बजट की परियोजनाओं में भी उतर रही है। इसके अतिरिक्त, वे कभी-कभार प्रयोगात्मक फिल्में बनाने, अपनी बहुमुखी प्रतिभा और नई कहानियों की खोज करने की इच्छा दिखाने के लिए जाने जाते हैं।

पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की आगामी फिल्में बहुप्रतीक्षित हैं, हाल ही में रिलीज हुई फिल्म मां काली के फर्स्ट लुक पोस्टर ने काफी चर्चा पैदा कर दी है। मोशन पोस्टर एक ऐतिहासिक कथा पर फिल्म के फोकस का संकेत देता है जिसे बंगाल के इतिहास से मिटा दिया गया है। इसमें संवेदनशील विषयों को छूने और धार्मिक झड़पों से संबंधित विषयों का पता लगाने की उम्मीद है, जैसा कि पोस्टर पर काली माता और बुर्के में एक महिला की हाइलाइट की गई छवि द्वारा दर्शाया गया है। यह फिल्म धार्मिक युद्धों के आसपास की घटनाओं को उजागर करने की संभावना है, जो एक विचारोत्तेजक और साहसी रूप से अलग सिनेमाई अनुभव पेश करती है।

रीमा सेन, एक प्रसिद्ध और

प्रतिभाशाली अभिनेत्री, मां काली में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिसमें अभिषेक सिंह और अन्य सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित और विजय एलकांति द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनुराग का संगीत और आचार्य वेणु की सिनेमैटोग्राफी है।

यह फिल्म सिर्फ एक भाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसे पूरे भारत में रिलीज करने की योजना है, जो व्यापक रूप से चर्चित और प्रभावशाली फिल्म बनने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। अपनी दिलचस्प कहानी और प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, मां काली पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की फिल्मों के भंडार में एक महत्वपूर्ण योगदान बनने के लिए तैयार है।(आरएनएस)

झोपड़ियों में आग लगने का सीएम ने लिया संज्ञान, डीएम को मदद के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। गोविन्दगढ में स्थित बस्ती में 15 झोपडियों आग लगने से हुए नुकसान का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को पीडितों की यथासंभव सहायता के निर्देश दिये

आज यहां गोविंदगढ़ में स्थित बस्ती में 15 झोपड़ियों में आग लगने से नुकसान होने के मामले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी देहरादून को पीड़ितों की यथासंभव सहायता के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने अवगत कराया है कि आज मौके पर 40 राशन के बैग भेजे जा रहे हैं। साथ ही जो भी अन्य सहायता अपेक्षित होगी जिला प्रशासन के स्तर से की जायेगी। गोविंदगढ़ में एक प्लाट में बनी कई झोपड़ियों में गत दिवस आग लग गयी थी, जिससे पूरा सामान जलकर राख हो गया। इनमें 15 झोपड़ियां पूरी तरह से जल गई थी।

इस मामले का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि इस घटना के पीड़ितों की यथासंभव मदद की जाए। तत्क्रम में जिलाधिकारी की ओर से गोविंदगढ़ में प्रभावित लोगों को 40 पैकेट राशन के भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा पीड़ितों की हर संभव मदद जिला प्रशासन के स्तर से की जाएगी।

वर्क संस्था ने बांटे जीरा कोल्ड ड्रिंग्स

संवाददाता

देहरादून। वर्ड आर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नालेज संस्था के कार्यकर्ताओं ने गर्मी से राहत दिलाने के लिए लोगों जीरा कोल्ड ड्रिंग्स बांटे।

आज यहां वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज (वर्क)के कार्यकर्ताओं ने गर्मी से राहत दिलाने के लिए आई एस बी टी पर सभी लोगों को जीरा कोल्ड ड्रिंक बांटने का काम किया साथ ही उन्होंने सभी धर्म ग्रंथो के जिनमे भाईचारे, एकता, मानवता और शांति का संदेश है उन सभी धर्म ग्रंथो के संदेशो से लिखे पंपलेट को लोगों को बांटा और कहा कि हम सबको मिलजुल करके रहना चाहिए एक दूसरे की दिल से सेवा भाव करनी चाहिए और समय-समय पर लोगों की मदद करते रहना चाहिए। यही मानवता सिखाती है और हिंदुस्तान में भाईचारा एकता मोहब्बत जब आम होगी तभी भारत अखंड बनेगा और अखंड भारत की तस्वीर को हम जल्द देखेंगे और हमारा भारत विश्व गुरु बनकर उभरेगा। इस कार्य को लोगों ने सराहा व खुशी का इजहार करते हुए धन्यवाद दिया। स्मरण रहे की वर्क संस्था इस प्रकार के मानवता एकता प्रेम भाईचारे और शांति के संदेशों को देने वाले कार्यक्रमों को समय-समय पर करती रहती है। इस वर्क के कार्यक्रम में के दानिश अफजल, मोहम्मद फैजान, इलियास कुरैशी, मोहम्मद फरमान, हुंसने मुबारक, शाद सहित कई कार्यकर्ता मोजूद रहे।

हाई स्कूल, इंटर का रिजल्ट घोषितः इस.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं एपी आईसी जवाहर नगर रूद्रप्रयाग के छात्र आयुष नेगी ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही एसवीएम आईसी आवास विकास ऋषिकेश के हरीश चन्द्रा बिजल्वाल एवं गोस्वामी गणेश दत्त एसवीएम आईसी उत्तरकाशी के छात्र आयुष अवस्थी ने इंटरमीडिएट में 500 में से 480 कुल 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सम्मान सहित उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 9937 तथा प्रतिशत 10.79 रहा। प्रथत श्रेणी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 40. 84 रहा व द्वितीय श्रेणी 30 प्रतिशत व तृतीय श्रेणी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 226 तथा .24 प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट परीक्षा -2024 में जनपद बागेश्वर कुल 93 प्रतिशत परीक्षाफल के साथ प्रथम स्थान पर रहा।

महिला की हत्या का खुलासा.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

किया करता है जो घटना के दिन से ही लापता है। इस पर पुलिस ने उक्त व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने बताया कि महावीर उनके पास ही काम किया करता है जो 26 अप्रैल को अपना स्वास्थ्य खराब होने का बताकर कहीं चला गया है और फिर वापस नहीं आया। इस पर पुलिस ने महावीर के तलाश शुरू कर दी गयी। महावीर की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कड़ी मशक्कत के बाद एक सूचना मिली कि महावीर बीती शाम विद्यापीठ की ओर आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर घेराबंदी कर महावीर को दबोच लिया। जिसने पूछताछ में बताया कि वह जनवरी से ग्राम देवर में खच्चर चलाने का काम करने लगा। जहां उसकी मुलाकात नीलम देवी से हुई और वह उसे पसन्द करने लगा। बताया कि 25 अप्रैल को जंगल मे खच्चर चुगाते समय उसने नीलम को जंगल मे अकेली देखा तो अकेलेपन का फायदा उठा कर वह नीलम से जबरदस्ती करने लगा जिस पर नीलम द्वारा उसका विरोध किया जाने लगा व उस पर डण्डे से वार कर अपना बचाव किया जाने लगा। अपने इरादों में सफल न होने पर उसने पत्थर से वार कर नीलम की हत्या कर दी थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर व खून सने कपड़े बरामद किये। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जंगल संकटग्रस्त, सरकार चुनाव में मस्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था, निश्चित ही यह कहावत आपने सुनी होगी। उत्तराखण्ड के बारे में यह किवदंती शत-प्रतिशत सही उतर रही है। उत्तराखण्ड के जंगल इन दिनों धूं-धूं कर जल रहे है और सूबे का वन विभाग और सत्ता में बैठे नेता कुछ भी नहीं कर पा रहे है।

अभी दो दिन पहले चुनाव प्रचार से समय निकाल कर सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दून आये तो उन्होने हालात की नजाकत भांपते हुए दून में अधिकारियों से बैठक की। जंगलो में लगी इस आग पर बड़ी गंभीर संवेदना के साथ उन्होने कहा कि हम आग पर काबू पाने का निरंतर प्रयास कर रहे है। हमने वायु सेना से मदद मांगी है और एमआई-17 आग बुझाने आ गया है। मुख्यमंत्री ने हेलीकाप्टर से इस जंगल की आग का हवाई सर्वे भी किया। लेकिन न तो सीएम के हेलीकाप्टर में उड़ने से आग पर कोई असर हुआ और न ही

❑डीएम पौड़ी ने की एनडीआरएफ से गुहार ❑करोड़ों की वन सम्पदा का नुकसान हुआ

एमआई-17 ही आग बुझा सका।

आज मुख्यमंत्री धामी पश्चिमी बंगाल के चुनावी दौरे पर है। जहां हुगली में उन्होने भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो किया और भाजपा प्रत्याशी लाकेट चटर्जी के जीत का दावा करते हुए उन्होने अबकी बार 400 पार और पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने का दावा किया। इधर आज पौड़ी के जंगलों में बेकाबू हुई आग को बुझाने के लिए चिंतित जिलाधिकारी आशीष चौहान एनडीआरएफ के मुख्यालय से मदद की गुहार लगा रहे थे। एक तरफ सीएम धामी की चुनावी हुंकार और दूसरी तरफ डीएम साहब की गुहार। जनता के लिए जीने मरने की बात करने वाले सूबे के नेताओ और वन विभाग के अधिकारियों को जनता तथा अपने जंगल और जमीन की कितनी चिंता है आप खुद समझ सकते है।

धामी से पूर्व जब तीरथ सिंह रावत कुछ माह के लिए सीएम बनाये गये थे तो उन्होने वना की आग पर काबू पाने के लिए 10 हजार वन मित्रों की नियुक्ति की बात की थी। उनका क्या हुआ इस बारे में तीरथ रावत को कुछ पता नही है। वह कहते है कि सीएम धामी को ही पता होगा। लेकिन तीरथ रावत को कम से कम सीएम धामी से यह पूछना तो चाहिए? हर साल हजारों हेक्टेयर जंगल जल जाते है। पर्यावरण और वन सम्पदा का भारी नुकसान होता है। लेकिन 20 सालों में इन जंगलों को बचाने के लिए वन विभाग व सरकार ने क्या किया? इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं है।

बकरियां चुगाने गए ग्रामीण पर गुलदार ने किया हमला

हमारे संवाददाता

पौड़ी। उत्तराखण्ड में मानव व वन्यजीव संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस क्रम में एक बार फिर ऐसा ही मामला पौड़ी जनपद में सामने आया हैं जहां बकरिंया चराने जगंल में गये ग्रामीण पर गुलदार ने हमला कर दिया। हालांकि शोर मचाने पर गुलदार वहां से भाग खड़ा हुआ। लेकिन ग्रामीण की हालत गम्भीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि पौड़ी में गढ़वाल वन प्रभाग के पोखड़ा रेंज स्थित किम गांव में गुलदार ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। सीएचसी रिखणीखाल में प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने घायल को बेस अस्पताल कोटद्वार रेफर किया है। जानकारी के अनुसार, घायल ग्रामीण मोहन सिंह रावत(52) अपनी पत्नी के साथ बकरियां चुगाने जंगल में गया था। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बचाव की कोशिश में ग्रामीण ने शोर मचा दिया और गुलदार वहां से भाग निकला। लेकिन इस दौरान वह बुरी तरह से घायल हो गया। ग्रामीण के सिर और हाथ-पैरों पर अधिक चोटें आई हैं।

जमीनी फर्जीवाड़ा करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर, फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन की धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 11 मार्च को बालम सिंह असवाल, निवासी ग्राम खेड़ा तल्ला, थाना यमकेश्वर जनपद पौड़ी गढ़वाल ने कोतवाली कोटद्वार पर तहरीर देकर बताया कि विक्रम सिंह पयाल, निवासी ग्राम कोठार ने उनके दादा की पुस्तैनी जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर वर्ष 2000 में उनकी पुण्डरासू, लक्ष्मणझूला में स्थित 10 नाली भूमि दलीप सिंह रावत को विक्रय कर दी है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान ठोस साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने विक्रम सिंह पयाल को चौकी नीलकण्ठ क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि बालम सिंह असवाल के दादा नारायण सिंह असवाल की वर्ष 1965 मृत्यु हो चुकी थी उनकी पुण्डरासू लक्ष्मणझूला स्थित पुस्तैनी जमीन की परिजनों द्वारा कोई देख रेख नहीं की जा रही थी, जिस कारण मेरे द्वारा फर्जी नारायण सिंह असवाल बनकर व फर्जी दस्तावेज तैयार कर इस जमीन को दलीप सिंह को बेच दी थी।

दो दुपहिया वाहन चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जवाहर नगर पंडितवाडी निवासी रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल राजेन्द्र सिंह रावत ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से कचहरी आया था। उसने अपनी स्कूटी कचहरी के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं कालिंटी एन्क्लेव निवासी गौरव शर्मा ने कोतवाली में अपनी मोटरसाईकिल दून अस्पताल के बाहर से चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वनाग्नि से खुली सरकार की आपदा प्रबंधन की पोलः नेगी

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने विधायक आवास में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि पूरा पहाड़ जल रहा है जिससे वन सम्पदा को भारी नुकसान हो रहा है और जीव जंतुओ की मौत हो रही है। जिससे पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की वनाग्नि को लेकर कोई कार्य योजना नहीं थी। जब इसने विकराल रूप ले लिया तब जाकर सरकार हरकत में आई लेकिन उसका भी प्रभाव कही नजर नही आ रहा है।

उन्होने कहा कि अभी गर्मी की शुरुआत है। सरकार आपदा प्रबंधन के प्रति गंभीर नही है वहीं वनाग्नि से सरकार के आपदा प्रबंधन की पोल खुल गई। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष मैने स्वयं आग बुझाने का कार्य किया और सरकार को सुझाव भी भेजे लेकिन सरकार लापरवाह बनी रही। उन्होंने कहा कि सरकार को युद्धस्तर पर वनाग्नि रोकने के प्रयास करने होंगे जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार को ग्रामीणों की मदद लेनी चाहिए और वनमित्र बनाकर उन्हे वनाग्नि रोकने में मदद लेनी चाहिए साथ ही जनजागरूकता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का बहत्तर प्रतिशत भू भाग वन क्षेत्र है, सरकार को ऐसी रणनीति बनानी चाहिए जिससे जल संरक्षण जल स्रोत सूखे नही। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी भी मौजूद थे।

एक नजर

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने संभाला नौ सेना प्रमुख का कार्यभार

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को भारत के 26वें नौसेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने एडमिरल आर हरि कुमार का स्थान लिया, जो इस पद पर दो साल और पांच महीने तक रहे। एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने रीवा के सैनिक स्कूल, उसके बाद खडगवासला के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से पढ़ाई करके 1 जुलाई, 1985 को भारतीय नौसेना में नियुक्त हुए। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान एडमिरल की भूमिका में आने से पहले तक दिनेश त्रिपठी नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख थे। नेवी की ओर से बताया गया है कि एडमिरल त्रिपाठी नई भूमिका में स्वदेशीकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ नौसेना के आधुनिकीकरण का भी नेतृत्व करेंगे क्योंकि साल 2047 तक नौसेना को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य पर भारत काम कर रहा है।

जनवरी 2024 में नौसेना के उपाध्यक्ष नियुक्त होने से पहले त्रिपाठी पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख थे और इससे पहले उन्होंने नौसेना के कार्मिक प्रमुख के रूप में कार्य किया था। वह वेलिंगटन के विशिष्ट रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज से स्नातक हैं और उन्होंने यूएस नेवल वॉर कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में नेवल हायर कमांड कोर्स और नेवल कमांड कॉलेज में कई कोर्सेज में भाग लिया है।

कैंसर से जूझ रहे शरणार्थी ने जीती 10 हजार करोड़ की लॉटरी!

नई दिल्ली। 8 साल से कैंसर का दंश झेल रहे 46 वर्षीय पोर्टलैंड निवासी चेंग चार्ली सैफान ने लॉटरी में 1.3 बिलियन डॉलर पॉवरबॉल जैकपॉट के विजेता बनें। ओरेगॉन लॉटरी की ओर से करवाई गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि वे और उनकी 37 साल की वाइफ डुआनपेन आधा पैसा ले रहे हैं, बाकी राशि एक दोस्त को देंगे। मिल्वौकी के पोर्टलैंड की रहने वालीं 55 साल की लाइजा चाओ ने उनके साथ टिकट खरीदने को लेकर 100 डॉलर का भुगतान किया था।अब वे लोग सभी कर चुकाने के बाद 422 मिलियन डॉलर के मालिक होंगे।

सैफान के दो बच्चे हैं, जिसमें से एक को कैंसर है। अब वे सोच रहे हैं कि सारा पैसा खर्च करने के लिए समय कहां से निकाल पाएंगे। वे मूल रूप से किसान थे और वियतनाम जंग में अमेरिका के मददगार रहे। बाद में वहां प्रतिशोध से बचने के लिए थाईलैंड भागे और बाद में अमेरिका आकर बस गए थे। अब पोर्टलैंड में उनके समुदाय के हजारों लोग रहते हैं। 1996 में उन्होंने स्नातक पास की। अब ये लोग यहां वेस्ट तट पर रहते हैं। बाद में मशीनिस्ट के तौर पर काम शुरू किया था। कुछ हफ्तों पहले उन्होंने कागज के टुकड़ों पर खेल के नंबर लिखे थे। बाद में तकिये के नीचे रखकर सो गए। सोचा था कि विजेता बनेंगे और बने भी।

अमित शाह के डीपफेक वीडियो केस में 2 आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गृह मंत्री अमित शाह के एडिटेड वीडियो (डीपफेक) मामले में अहमदाबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने 2 आरोपियों को अरेस्ट किया है। जानकारी के अनुसार अहमदाबाद पुलिस ने कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी के पीए सतीश वसानी और आप पार्टी के नेता आर बी बारिया को गिरफ्तार किया है। दोनों पर शाह के वीडियो को एडिट करने का आरोप है। वहीं दिल्ली पुलिस के सूत्रों की मानें तो अमित शाह फेक मामले में दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के सीएम रेंवत रेड्डी को पूछताछ के लिए नोटिस दिया है। इसके अलावा तेलंगाना कांग्रेस के 4 और लोगों को सीआरपीसी की धारा 160 और 91 के तहत नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया है। इसके साथ ही सभी से अपना मोबाइल और लैपटॉप भी लाने को कहा है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कुल 16 लोगों को समन जारी किया है। तेलंगाना कांग्रेस के अलावा यूपी, झारखंड, राजस्थान, एमपी, हरियाणा, दिल्ली के भी कुछ लोगों को नोटिस सर्व कर पूछताछ के लिए बुलाया है। नोटिस पाने वाले अधिकतर लोग कांग्रेस-सपा से जुड़े लोकल लीडर्स है। इन लोगों ने मंशा के साथ कैप्शन लिखकर वीडियो रिपोस्ट किया। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने ट्विटर से भी जवाब मांगा है कि सबसे पहले ये नोटिस किसने पोस्ट किया था। मामले में ट्विटर ने कार्रवाई करते हुए सभी पोस्ट हटा ली है, लेकिन अभी तक दिल्ली पुलिस को कोई जवाब नहीं दिया है। दिल्ली पुलिस ट्विटर से यह जानना चाहती है कि सबसे पहले ये पोस्ट किसने किया था।

-बांदा जेल अधीक्षक को मिली थी जान से मारने की धमकी-

कनाडा की कॉल को डायवर्ट करने वाला दून से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने बांदा जेल अधीक्षक को जान से मारने की धमकी देने वाली कनाडा की कॉल को लोकल में डायवर्ट करने वाली कम्पनी के संचाल को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया कि 29 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा कारागार के जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा, वरिष्ठ जेल अधीक्षक बांदा उ.प्र. को देहरादून के लैण्डलाईन नम्बर से उन्हे जान से मारने की धमकी देने के प्रकरण में थाना कोतवाली नगर जिला बांदा उ०प्र० में मुकदमा दर्ज हुआ था। चूकि: यह लैण्ड लाईन नम्बर देहरादून जनपद से सम्बन्धित था उक्त प्रकरण में विभिन्न उत्तर प्रदेश पुलिस एवं डीओटी, भारत सरकार द्वारा जानकारी एसटीएफ से साझा की गई जिस पर एसटीएफ, उत्तराखण्ड द्वारा उक्त लैण्डलाईन नम्बर की तहकीकात की गई तो यह नम्बर स्पेक्ट्रम इन्फो वेब सोल्यूशन प्रा. लि., एमएम टावर के नाम से पंजीकृत पाया गया उक्त पते पर जाकर इस लैण्डलाईन नम्बर के मालिक के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। जिस पर एसटीएफ टीम द्वारा मैनुवल सूचना एवं पूर्व में जेल भेजे गये साईबर ठगों की जानकारी की गई। गोपनीय जानकारी मिली कि अनुराग गुप्ता पुत्र कमल गुप्ता निवासी संगम बिहार जीएमएस रोड़ थाना बसंत बिहार हाल निवासी प्रिय लोक कालोनी सेवला कला थाना पटेल नगर देहरादून द्वारा स्पेक्ट्रम इन्फो वेब सोल्यूशन प्रा.लि. कम्पनी के नाम से करीब 500 नम्बर लिये है जिनसे वह विदेशो की कॉल को इन्टरनेट पर मंगाकर भारतीय मोबाईल नम्बरो पर डायवर्ट कराता है और यह कार्य बहुत की गोपनीय तरीके से कर रहा है। एसटीएफ टीम द्वारा उसके पते की सटीक जानकारी करते हुये जीएमएस रोड, एमएम टावर के द्वितीय तल पर छापा मारा और अनुराग गुप्ता पुत्र कमल गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपी ने अपनी कम्पनी स्पेक्ट्रम इन्फो वेब सोल्यूशन प्रा०लि० का बोर्ड ना लगाकर अपनी पहचान छिपाने के लिये बाहर विक्रांत फूड कम्पनी एंड दून लीटेस वेबेड सर्विस के नाम से दो फ्लैक्सी बोर्ड लगाये हुये है तथा कार्यालय के अन्दर उक्त व्यक्ति द्वारा छिपकर कॉल एक्सचेन्ज सैटअप स्थापित किया हुआ था एवं इस एक्सचेन्ज सैट के लिये उसने बीएसएनएल से 500 लैण्डलाईन नम्बर का एसआईपी कनेक्शन एवं इन्टरवेव टेक्नोलोजी से इन्टरनेट का कनेक्शन लिया हुआ था। मौके पर डीओटी टीम भी तकनीकी सहयोग हेतु मौजूद रहीं। आरोपी को गिरफ्तार कर थाना बसन्त विहार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में अनुराग गुप्ता द्वारा बताया गया कि उसने यहां पर एक सर्वर सैटअप किया है। यहां से वह विदेश से प्राप्त वीओआईपी काल को लैण्डलाइन/ मोबाईल नम्बर पर रूट कराता है, जिसकी एवज में उसको चायना से कमीशन मिलता है। अनुराग गुप्ता पूर्व में इसी प्रकार के प्रकरण में जनपद सोनीपत, हरियाणा तथा बिहार से जेल जा चुका है।

डम्पर की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। डम्परी की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गढवाली कालोनी निवासी सतविन्दर अपनी एक्टिवा से बाजार से घर की तरफ जा रहा था जब वह डोभाल चौक के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे डम्पर ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी।

वाहन से टायर व म्यूजिक सिस्टम चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने वाहन से टायर व म्यूजिक सिस्टम चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर कालसी निवासी मौहम्मद समरेज ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका जीवनगढ में आफिस है। उसका वाहन आफिस के बाहर खडा था। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसके वाहन से टायर व म्यूजिक सिस्टम गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

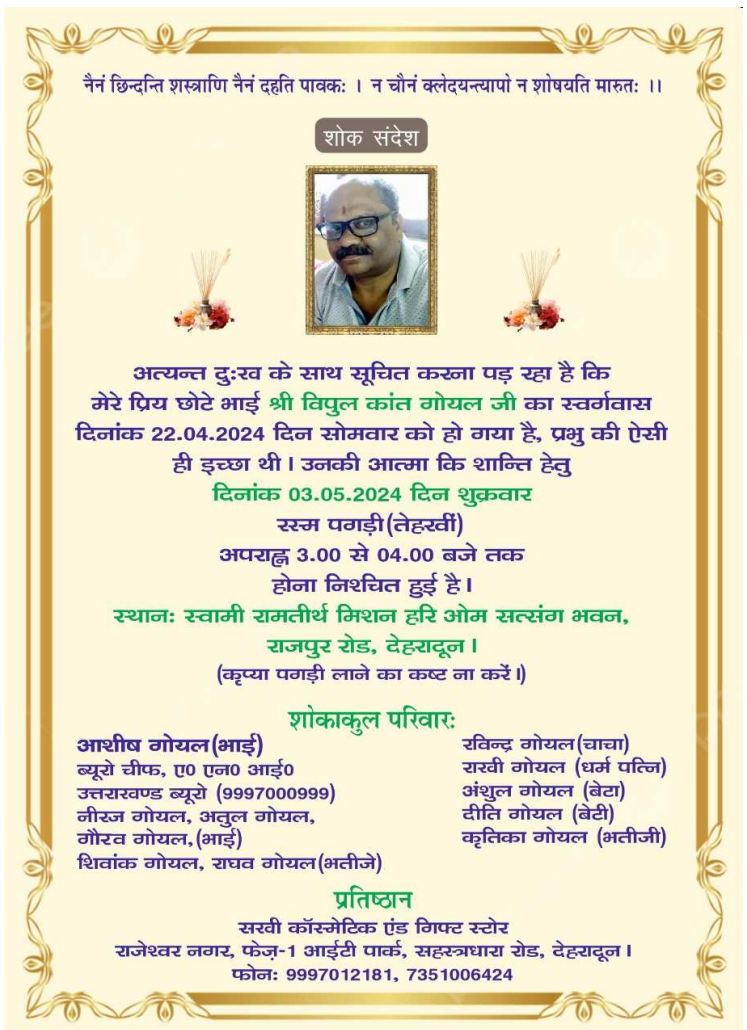

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।